

ड्राफ्ट ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश

प्रस्तावित डोलोमाइट खनन परियोजना
(गौण खनिज)

कुल खान क्षेत्र 5.811 हेक्टेयर
पर

गांव – धौराभाटा (ब्लॉक 1), तहसील– बिल्हा,
जिला–बिलासपुर, राज्य– छत्तीसगढ़

आवेदक

मेसर्स श्री शिव शंकर मिनरल्स एंड डोलोमाइट
(प्रोपराइटर – शोभा अग्रवाल)

गांव / शहर–आजाद नगर, तहसील– बिल्हा,
जिला– बिलासपुर
राज्य– छत्तीसगढ़,

पर्यावरण सलाहकार

मेसर्स अल्ट्रा टेक

पर्यावरण प्रयोगशाला और परामर्श

एनएबीईटी मान्यता प्राप्त ईआईए परामर्श संगठन

NABET प्रत्यायन संख्या– NABET/EIA/2023@RA0194

मई, 2022

विषयसूची

कार्यकारी सारांश.....	3
1.0 परिचय.....	3
2.0 परियोजना विवरण.....	7
3.0 पर्यावरण का विवरण.....	11
4.0 प्रत्याशित पर्यावरण प्रभाव और पर्यावरण प्रबंधन योजना.....	17
5.0 विकल्पों का विश्लेषण.....	21
6.0 पर्यावरण निगरानी कार्यक्रम.....	21
7.0 जोखिम आकलन	22
8.0 आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा प्रबंधन योजना.....	22
9.0 पूंजी निवेश और परियोजना अनुसूची.....	22
10.0 परियोजना लाभ.....	22
11.0 आवश्यकता आधारित गतिविधि.....	23
12.0 पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमपी).....	23
13.0 निष्कर्ष.....	24

तालिकाओं की सूची

तालिका E-1: परियोजना स्थल के आसपास पर्यावरण सेटिंग.....	4
तालिका E-2: प्रस्तावित परियोजना की मुख्य विशेषताएं.....	8
तालिका E-3: जल आवश्यकता विवरण.....	10
तालिका E-4: साइट पर उत्पन्न मौसम संबंधी आंकड़ों का सारांश.....	11

आंकड़े की सूची

चित्र E-1: परियोजना स्थल का स्थान मानचित्र.....	4
चित्र E-2: प्रस्तावित खनन स्थल का क्षेत्रफल.....	7
चित्र E-3: एल्यूमिनीयम वर्गीकरण (प्रस्तावित परियोजना क्षेत्र का 10 किमी का दायरा).....	15
चित्र E-4: अध्ययन क्षेत्र अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का जनसंख्या सघनता मानचित्र जनसंख्या	17

कार्यकारी सारांश

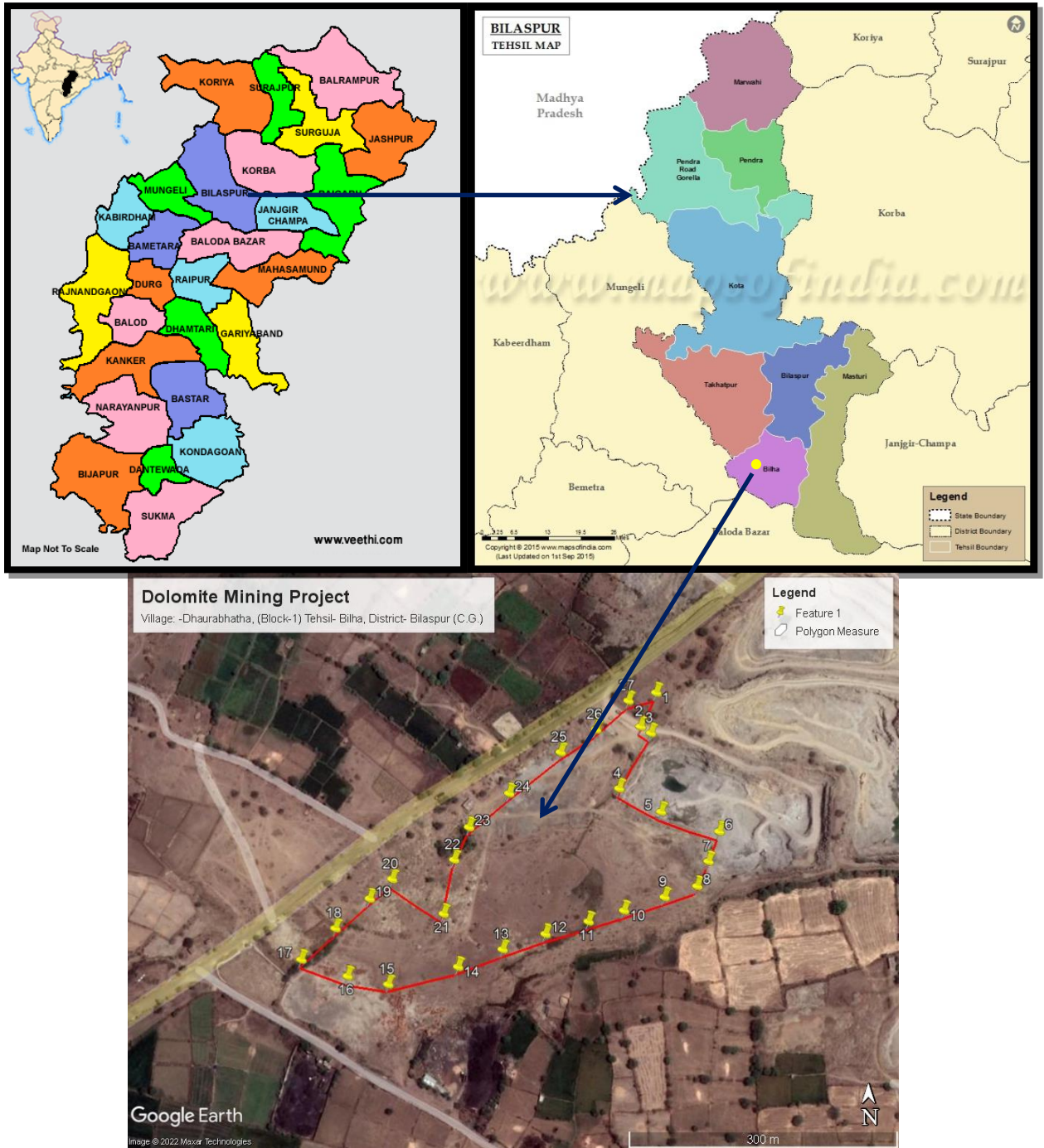
1.0 परिचय

प्रस्तावित डोलोमाइट खनन खनिज परियोजना, ग्राम-धौराभाठा, तहसील-बिल्हा, जिला-बिलासपुर के खसरा नं. 252, 253/1, 253/3, 257, 260, 261/1, 261/2, 262, 263, 264. 265/1, 265/2, 288, 269/1269 के 5.811 हेक्टेयर क्षेत्र में स्थित है। इस परियोजना को, कार्यालय कलेक्टर खनन शाखा छत्तीसगढ़ द्वारा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 के अंतर्गत, मेसर्स श्री शिव शंकर मिनरल्स एवं डोलोमाइट, के पक्ष जारी की गयी है।

यह खनन परियोजना ईआईए अधिसूचना 2006 और इसके बाद के संशोधनों के अनुसार श्रेणी 'बी1' (क्लस्टर स्थिति) परियोजना या गतिविधि 1 (ए) के अंतर्गत आती है, का मूल्यांकन एसईएसी, छत्तीसगढ़ में किया जाएगा। 15 जनवरी 2016 को एमओईएफएंडसीसी की ईआईए अधिसूचना और 13 सितंबर 2018 के एनजीटी आदेश के अनुसार यह लीज क्षेत्र क्लस्टर में पट्टा आता है।

परियोजना स्थल

खसरा नं. 252, 253/1, 253/3, 257, 260, 261/1, 261/2, 262, 263, 264. 265/1, 265/2, 288, 269/1269 ग्राम – धौराभाठा, तहसील-बिल्हा, जिला – बिलासपुर। धौराभाठा (ब्लॉक 1) पट्टेदार शोभा अग्रवाल की डोलोमाइट खदान को सर्वे ऑफ इंडिया टोपोशीट नंबर 64 एम/7 में चित्रित किया गया।



चित्र E-1 परियोजना स्थल का स्थान मानचित्र

पर्यावरण सेटिंग का विवरण नीचे दिया गया है।

तालिका E.1 परियोजना स्थल के आसपास पर्यावरण सेटिंग

विशेष	विवरण
परियोजना का नाम	प्रस्तावित डोलोमाइट खनन परियोजना क्षेत्र: 5.811 हेक्टेयर। (निजी भूमि)

ग्राम धौराभाटा (ब्लॉक 1), तहसील- बिल्हा, जिला - बिलासपुर, राज्य- छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित धौराभाटा (ब्लॉक 1) डोलोमाइट खनन के लिए मसौदा ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश द्वारा शोभा अग्रवाल

विशेष	विवरण		
परियोजना का स्थान	गांव के पास- धौराभाटा, तहसील- बिल्हा, जिला- बिलासपुर राज्य- छत्तीसगढ़		
भौगोलिक निर्देशांक	स्तंभ	अक्षांश	देशांत
	आधार	21°58'1.7621" N	82°1'8.0796"E
	BL1	21°58'5.4025" N	82°1'15.7586"E
	BL2	21°58'4.1897" N	82°1'15.1518"E
	BL3	21°58'3.9718" N	82°1'15.5719"E
	BL4	21°58'1.96" N	82°1'14.3193"E
	BL5	21°58'1.1297" N	82°1'15.9963"E
	BL6	21°58'0.4006" N	82°1'18.2302"E
	BL7	21°57'59.3203"N	82°1'17.7968"E
	BL8	21°57'58.426" N	82°1'17.3553"E
	BL9	21°57'58.0312" N	82°1'16.0833"E
	BL10	21°57'57.5459" N	82°1'14.5005"E
	BL11	21°57'57.1501" N	82°1'13.1193"E
	BL12	21°57'56.6988" N	82°1'11.4397"E
	BL13	21°57'56.1426" N	82°1'9.7706"E
	BL14	21°57'55.5132" N	82°1'8.0263"E
	BL15	21°57'54.8789" N	82°1'5.2992"E
	BL16	21°57'55.1783" N	82°1'3.7087"E
	BL17	21°57'55.7806" N	82°1'1.9073"E
	BL18	21°57'56.9115" N	82°1'3.2441"E
	BL19	21°57'57.9854" N	82°1'4.5822"E
	BL20	21°57'58.6327" N	82°1'5.4635"E
	BL21	21°57'57.433" N	82°1'7.4665"E
	BL22	21°57'59.3899" N	82°1'7.884"E
	BL23	21°58'0.5664" N	82°1'8.4655"E
	BL24	21°58'1.7876" N	82°1'10.0292"E
BL25	21°58'3.2656" N	82°1'12.035"E	

ग्राम धौराभाटा (ब्लॉक 1), तहसील- बिल्हा, जिला - बिलासपुर, राज्य- छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित धौराभाटा (ब्लॉक 1) डोलोमाइट खनन के लिए मसौदा ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश द्वारा शोभा अग्रवाल

विशेष	विवरण		
	BL26	21°58'4.0837" N	82°1'13.4175"E
	BL27	21°58'1.8221" N	82°1'14.6714"E
	Ref-1	21°57'55.8115" N	82°0'58.3767"E
	Ref-2	21°57'55.3478" N	82°0'57.3478"E
अधिकतम तापमान	46° C		
न्यूनतम तापमान	10° C		
वार्षिक वर्षा	1287.4 mm		
परियोजना का आकार	5.811 हे.		
निकटतम राजमार्ग	राष्ट्रीय राज्यमार्ग 130 सड़क की दूरी—2.39 किमी हवाई दूरी— 1.19 किमी पूर्व		
निकटतम रेलवे स्टेशन	बिल्हा रेलवे स्टेशन – 5.75 किमी पूर्व		
निकटतम हवाई अड्डा	बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट – 10.74 किमी उत्तर –पूर्व		
निकटतम शहर / शहर	बिल्हा – 3.41 किमी पूर्व		
निकटतम जल निकाय	मनियारी नदी 0.5 किमी पश्चिम		
10 किमी के दायरे में प्रमुख जल निकाय	मनियारी नदी 0.5 किमी पश्चिम शिवनाथ नदी 10 किमी दक्षिण		
घनी आबादी वाला या निर्मित क्षेत्र	चुनचुनी – 0.90 किमी, दक्षिण–पूर्व जिला मुख्यालय, बिलासपुर – 17.25 किमी उत्तर–पूर्व		
पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान	10 किमी के दायरे में कोई नहीं		
वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के अनुसार संरक्षित क्षेत्र (टाइगर रिजर्व, हाथी रिजर्व, बायोस्फीयर, राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य, सामुदायिक रिजर्व और संरक्षण रिजर्व)	10 किमी के दायरे में कोई नहीं		
आरक्षित/संरक्षित वन	10 किमी के दायरे में कोई नहीं		
रक्षा प्रतिष्ठान	15 किमी के दायरे में कोई नहीं		
सिस्मीसिटी	चूंकि परियोजना स्थल भूकंपीय क्षेत्र II के अंतर्गत आता है, जो आईएस: 1893 (भाग 1 2002) के अनुसार भूकंप के लिए सबसे कम सक्रिय क्षेत्र है।		

ग्राम धौराभाटा (ब्लॉक 1), तहसील— बिल्हा, जिला – बिलासपुर, राज्य— छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित धौराभाटा (ब्लॉक 1) डोलोमाइट खनन के लिए मसौदा ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश द्वारा शोभा अग्रवाल

विशेष	विवरण
वन्यजीव अभ्यारण्य	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
राष्ट्रीय उद्यान	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
बायोस्फीयर रिजर्व	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
पक्षियों के महत्वपूर्ण प्रवास मार्ग	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
रामसर स्थल (अंतर्राष्ट्रीय महत्व के आर्द्रभूमि)	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
अद्वितीय या संकटग्रस्त पारिस्थितिकी तंत्र	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
महत्वपूर्ण स्थलाकृतिक विशेषताएं, जिनमें लकीरें, नदी घाटियाँ, तटरेखाएँ और तटवर्ती क्षेत्र शामिल हैं	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
मैंग्रोव्स	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
शारीरिक संवेदनशील रिसेप्टस	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
सीजीडब्ल्यूए द्वारा अधिसूचित भूजल क्षेत्र	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
गंभीर रूप से पर्यावरण प्रदूषित क्षेत्र	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
प्रदूषण के स्रोत	10 किमी के दायरे में कोई नहीं

2.0 परियोजना विवरण

धौराभाटा (ब्लॉक 1) डोलोमाइट खदान की अनुमानित परियोजना 5.811 हेक्टेयर क्षेत्र में ग्राम-धौराभाटा (ब्लॉक 1), तहसील-बिल्हा, जिला- बिलासपुर, राज्य छत्तीसगढ़ में स्थित है। 50,000 एमटीपीए के अनुमानित उत्पादन के साथ प्रस्तावित खदान ब्लॉक का जीवन काल 50.5 वर्ष है। खनन की प्रस्तावित विधि ओपन कास्ट सेमी मैकेनाइज्ड माइनिंग है।

ग्राम धौराभाटा (ब्लॉक 1), तहसील- बिल्हा, जिला - बिलासपुर, राज्य- छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित धौराभाटा (ब्लॉक 1) डोलोमाइट खनन के लिए मसौदा ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश द्वारा शोभा अग्रवाल



चित्र E-2 प्रस्तावित खनन स्थल का क्षेत्रफल

तालिका E- 2 प्रस्तावित परियोजना की मुख्य विशेषताएं

विशेष	विवरण
परियोजना का नाम	प्रस्तावित डोलोमाइट खनन परियोजना, क्षेत्रफल 5.811 हेक्टेयर
गांव	धौराभाठा
तहसील	बिल्हा
जिला	बिलासपुर
राज्य	छत्तीसगढ़
टोपोशीट संख्या	64 के / 1
पट्टाधारक का नाम	श्री शिव शंकर मिनरल्स और डोलोमाइट की मालिक श्रीमती शोभा अग्रवाल
पट्टाधारक का पता और संपर्क विवरण	निवासी- आजाद नगर, तहसील-बिल्हा, जिला-बिलासपुर, राज्य-छत्तीसगढ़
खनन किए जाने वाले खनिज का नाम	डोलोमाइट
भूमि का प्रकार	निजी भूमि। वन भूमि नहीं है। कोई मानव बस्ती नहीं।
संचालन की स्थिति (नई परियोजना या मौजूदा)	नया कार्य

ग्राम धौराभाठा (ब्लॉक 1), तहसील- बिल्हा, जिला - बिलासपुर, राज्य- छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित धौराभाठा (ब्लॉक 1) डोलोमाइट खनन के लिए मसौदा ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश द्वारा शोभा अग्रवाल

विशेष	विवरण
परियोजना तब से चल रही है)	
खान क्षेत्र	5.811 हेक्टेयर
खनन योग्य रिसर्व	25,34,355.24 मैट्रिक टन
उत्पादन क्षमता	50,000.00 मैट्रिक टन
खदान का जीवन	लीज अवधि के अनुसार – 50.5 वर्ष
ऊपरी मिट्टी और ओवरबर्डन की मात्रा को हटाए जाने का अनुमान है	4757.85 मैट्रिक टन
भूजल तालिका की गहराई	सामान्य सतह स्तर से लगभग 40 मीटर नीचे
खनन की विधि	ओपनकास्ट सेमी-मैकेनाइज्ड
कार्य दिवसों की संख्या	300 दिन
भूकंपीय क्षेत्र	भूकंपीय क्षेत्र ।।

खनन पद्धति

मशीनीकृत खुले गड्ढे खनन पद्धति खनन की प्रस्तावित विधि होगी जिसमें विनियम 106 (2)(बी) मेटलीफेरस माइन्स रेगुलेशन 1961 के तहत खान सुरक्षा महानिदेशक से मशीनीकृत खुले गड्ढे की अनुमति प्राप्त करने के बाद 114 मिमी व्यास और 6.0 मीटर गहराई (अधिकतम) के बड़े व्यास छेद की श्रृंखला द्वारा उजागर अयस्क में ड्रिलिंग शामिल है। निक्षेप का प्रारंभिक प्रारंभण बॉक्स कट द्वारा किया जाता है। फिर छेद को चार्ज किया जाता है और बड़े व्यास वाले कार्ट्रिज विस्फोटक (83 मिमी) के साथ एनओएनईएल के साथ ब्लास्ट किया जाता है। यदि आवश्यक हो तो ब्लास्ट किए गए मलबे को रॉक ब्रेकर द्वारा आकार दिया जाएगा, और उत्खनन द्वारा टिपर में लोड किया जाएगा। फिर आकार की सामग्री को पट्टेदार के अन्य सतह पट्टे में पट्टेदार की क्रशिंग और स्क्रीनिंग योजना में क्रश किया जाता है। भविष्य में मोबाइल क्रशिंग एवं स्क्रीनिंग प्लांट लगाने का भी प्रस्ताव है।

शक्ति/ बिजली की आवश्यकता

ब्लास्टिंग, पत्थर काटने, पानी पंप करने, अस्थायी प्रशासनिक भवन और विश्राम गृहों के लिए बिजली की आवश्यकता होती है। कुल बिजली की आवश्यकता लगभग 25 एचपी होगी। । बिजली के लिए स्थानीय बिजली बोर्ड से कनेक्शन लिया जाएगा। पट्टा क्षेत्र में बिजली उपलब्ध है।

ग्राम धौराभाटा (ब्लॉक 1), तहसील- बिल्हा, जिला – बिलासपुर, राज्य- छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित धौराभाटा (ब्लॉक 1) डोलोमाइट खनन के लिए मसौदा ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश द्वारा शोभा अग्रवाल

पानी की आवश्यकता

घरेलू और छिड़काव के उद्देश्य के लिए कुल पानी की आवश्यकता 5.07 केएलडी होगी, जिसे पास के गाँव के पानी के टैंकों से प्राप्त किया जाएगा। धौराभाटा गांव में खोदे गए कुएं और बोरवेल में पानी उपलब्ध है। पानी की आवश्यकता का विवरण नीचे दिया गया है:

- धूल दमन –2.00 केएलडी
- हरी पट्टी–2.72 केएलडी
- घरेलू–0.35 केएलडी

तालिका E.3: जल आवश्यकता विवरण

क्रमांक	उपयोग	पानी की आवश्यकता	
1.	ग्रीनबेल्ट विकास @1.39 लीटर/पेड़	1961 पेड़ X 2.5 लीटर/दिन = 2725.79 लीटर/दिन	2.72 केएलडी
2.	धूल दमन @ 0.5 लीटर/वर्गमीटर (दिन में दो बार)	हॉल रोड क्षेत्र = (500 मीटर लंबाई X 4 मीटर चौड़ाई = 2000 वर्गमीटर।) X 0.5 ली/वर्गमीटर = 1000 लीटर/दिन X 2 समय = 2000 लीटर/दिन	2.0 केएलडी
3.	घरेलू उद्देश्य @25 लीटर/कर्मचारी	14 श्रमिक X 25 लीटर प्रति दिन = 350 लीटर/दिन	0.35 केएलडी
Total ::			5.07 केएलडी

श्रम शक्ति

खनन परियोजना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। प्रति दिन लगभग 14 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा, और कुछ व्यक्ति अप्रत्यक्ष रूप से भी प्रभावित होंगे और संबद्ध और संबंधित उद्योगों, जैसे परिवहन, रखरखाव, आदि के साथ नियोजित होंगे। निम्नलिखित कर्मचारियों और श्रमिकों को नियोजित करने का प्रस्ताव है: –

क्रमांक	श्रेणी	व्यक्तियों की संख्या
1	खदान प्रबंधक	1
2	माईन फोरमैन	2

ग्राम धौराभाटा (ब्लॉक 1), तहसील– बिल्हा, जिला – बिलासपुर, राज्य– छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित धौराभाटा (ब्लॉक 1) डोलोमाइट खनन के लिए मसौदा ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश द्वारा शोभा अग्रवाल

3	ब्लास्टर	3
4	मजदूर	8
कुल		14

3.0 पर्यावरण का विवरण

प्रस्तावित खनन स्थल के आसपास के क्षेत्र का सर्वेक्षण भौतिक विशेषताओं और मौजूदा पर्यावरणीय परिदृश्य के लिए किया गया है। फील्ड सर्वे और बेसलाइन मॉनिटरिंग अक्टूबर 2021 से दिसंबर 2021 (पोस्ट मानसून सीजन) की अवधि के दौरान की गई है।

3.1 अंतरिक्ष-विज्ञान

अध्ययन अवधि के द्वितीयक मौसम संबंधी आंकड़े www.imdpune.gov.in/ माहवार मौसम संबंधी आंकड़े तालिका E-4 में दिए गए हैं।

तालिका E-4: साइट पर उत्पन्न मौसम संबंधी आंकड़ों का सारांश

अवधि	हवा की गति (किमी/घंटा)		तापमान (डिग्री सेल्सियस)		सापेक्षिक आर्द्रता (%)		वर्षा (मिमी)
	अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम	
अक्टूबर 2021	4.52	0.05	31.46	13.47	98.44	53.19	64.920
नवंबर 2021	5.6	0.33	28.56	10.83	100	41.31	27.080
दिसंबर 2021	5.2	0.13	27.92	8.9	100	19.75	72.330

वायु पर्यावरण

मानसून के बाद के मौसम— (अक्टूबर 2021 – दिसंबर 2021) के अवलोकन नीचे संक्षेप में दिए गए हैं

कणिका तत्व ((PM₁₀):

AAQM-1 में PM₁₀ की अधिकतम सांद्रता 71µg/m³ देखी गई और AAQM-5 में 42µg/m³ का न्यूनतम मान देखा गया ।

रेस्पिरेबल पार्टिकुलेट मैटर (PM_{2.5}):

ग्राम धौराभाटा (ब्लॉक 1), तहसील— बिल्हा, जिला – बिलासपुर, राज्य— छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित धौराभाटा (ब्लॉक 1) डोलोमाइट खनन के लिए मसौदा ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश द्वारा शोभा अग्रवाल

AAQM-1 पर $PM_{2.5}$ की अधिकतम सांद्रता $49\mu\text{g}/\text{m}^3$ दर्ज की गई और AAQM-7 में $19\mu\text{g}/\text{m}^3$ का न्यूनतम मान देखा गया।

सल्फर डाइऑक्साइड (SO_2):

SO_2 की अधिकतम सांद्रता AAQM-1 पर $12\mu\text{g}/\text{m}^3$ और 6 स्थानों पर $5\mu\text{g}/\text{m}^3$ का न्यूनतम मान देखा गया।

नाइट्रोजन के ऑक्साइड (NO_x):

NO_x की अधिकतम सांद्रता AAQM-1 पर $25\mu\text{g}/\text{m}^3$ और AAQM-2, AAQM-4, AAQM-6 में $9\mu\text{g}/\text{m}^3$ का न्यूनतम मान देखा गया है।

कार्बन मोनोआक्साइड (CO):

इस क्षेत्र में 6 स्थानों पर अधिकतम सांद्रता $0.9\text{ mg}/\text{m}^3$ और सभी 8 स्थानों पर न्यूनतम मान $0.5\text{ mg}/\text{m}^3$ देखा गया है।

प्रस्तावित खान पट्टे के आसपास की वायु गुणवत्ता एनएएक्यू मानकों की सीमा के भीतर है।

सिलिका

परियोजना स्थल के अध्ययन क्षेत्र के 10 किलोमीटर के दायरे की परिवेशी वायु में सिलिका का विश्लेषण तालिका 3.8 (7601, एनआईओएसएच विधियों के अनुसार अंक 3) में उल्लिखित परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों के PM_{10} फिल्टर पेपर से किया गया है। परिणाम इंगित करता है कि परियोजना स्थल के आसपास सिलिका सांद्रता $0.03\mu\text{g}/\text{m}^3$ से $0.08\mu\text{g}/\text{m}^3$ की सीमा में पाई गई थी।

परिणामों की तुलना केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा निर्धारित मानकों से की जाती है। प्रस्तावित खान पट्टे के आसपास की समग्र परिवेशी वायु गुणवत्ता सीपीसीबी द्वारा निर्धारित परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों की सीमा के भीतर है।

3.3 शोर पर्यावरण

अध्ययन क्षेत्र के भीतर परियोजना सहित नौ स्थानों पर ध्वनि स्तरों की निगरानी की गई। ध्वनि का स्तर दिन के समय 48.9 से 52.9 डीबी (ए) के बीच था और रात के समय ध्वनि स्तर 39.3 से 42.8 डीबी (ए) के बीच था। सभी निगरानी में ध्वनि स्तर सीपीसीबी द्वारा निर्धारित निर्धारित मानकों के भीतर पाए गए।

3.4 जल पर्यावरण

ग्राम धौराभाटा (ब्लॉक 1), तहसील— बिल्हा, जिला — बिलासपुर, राज्य— छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित धौराभाटा (ब्लॉक 1) डोलोमाइट खनन के लिए मसौदा ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश द्वारा शोभा अग्रवाल

भूजल गुणवत्ता: 8 स्टेशन

- विश्लेषण के परिणाम दर्शाते हैं कि पीएच 7.2 से 7.7 के बीच है, जो कि 6.5 से 8.5 के निर्दिष्ट मानक के भीतर है। 7.2 का न्यूनतम पीएच जीडब्ल्यू 7 और जीडब्ल्यू 8 पर देखा गया। जीडब्ल्यू 2 और जीडब्ल्यू 4 पर 7.7 का अधिकतम पीएच देखा गया।
- कुल कठोरता 344 से 384 मिलीग्राम/लीटर के बीच पाई गई। न्यूनतम कठोरता (344 मिलीग्राम/लीटर) जीडब्ल्यू 3 दर्ज की गई और अधिकतम (384 मिलीग्राम/लीटर) जीडब्ल्यू 4 पर दर्ज की गई।
- क्लोराइड 68 से 82 मिलीग्राम/ली की सीमा में पाए गए, क्लोराइड की न्यूनतम सांद्रता (68 मिलीग्राम/ली) जीडब्ल्यू 3 पर देखी गई, जबकि 82 मिलीग्राम/ली का अधिकतम मूल्य जीडब्ल्यू 4 पर देखा गया।
- सल्फेट 62 से 76 मिग्रा/ली के बीच पाए गए। न्यूनतम मान जीडब्ल्यू 1 और जीडब्ल्यू 3 (62 मिग्रा/ली) पर देखा गया जबकि अधिकतम मान जीडब्ल्यू 4 (76 मिग्रा/ली) पर देखा गया।
- कुल घुलित ठोस (टीडीएस) सांद्रता 492 से 578 मिलीग्राम/ली के बीच पाई गई, न्यूनतम टीडीएस जीडब्ल्यू 3 (492 मिलीग्राम/ली) और टीडीएस की अधिकतम सांद्रता जीडब्ल्यू 4 (578 मिलीग्राम/लीटर) पर देखी गई।
- जिंक और आयरन का पता लगाने योग्य सीमा से नीचे पाया गया।

सतही जल गुणवत्ता

- विश्लेषण के परिणाम दर्शाते हैं कि पीएच मान 7.2 से 7.6 के बीच है, न्यूनतम मान एसडब्ल्यू 3 पर और अधिकतम मान एसडब्ल्यू 5 और एसडब्ल्यू 7 में देखा गया।
- डीओ 4.5 से 5.9 मिग्रा/ली के बीच पाया गया। न्यूनतम डीओ मान एसडब्ल्यू 1 पर और अधिकतम डीओ एसडब्ल्यू 7 में देखा गया।
- टीडीएस 222 से 298 मिलीग्राम/ली की सीमा में देखा गया था, न्यूनतम टीडीएस मान एसडब्ल्यू 6 और एसडब्ल्यू 8 में देखा गया था, और जहां अधिकतम मान एसडब्ल्यू 1 में देखा गया था।
- क्लोराइड और सल्फेट क्रमशः 26 से 36 मिलीग्राम/ली और 31 से 42 मिलीग्राम/ली की सीमा में पाए गए।

ग्राम धौराभाटा (ब्लॉक 1), तहसील— बिल्हा, जिला — बिलासपुर, राज्य— छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित धौराभाटा (ब्लॉक 1) डोलोमाइट खनन के लिए मसौदा ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश द्वारा शोभा अग्रवाल

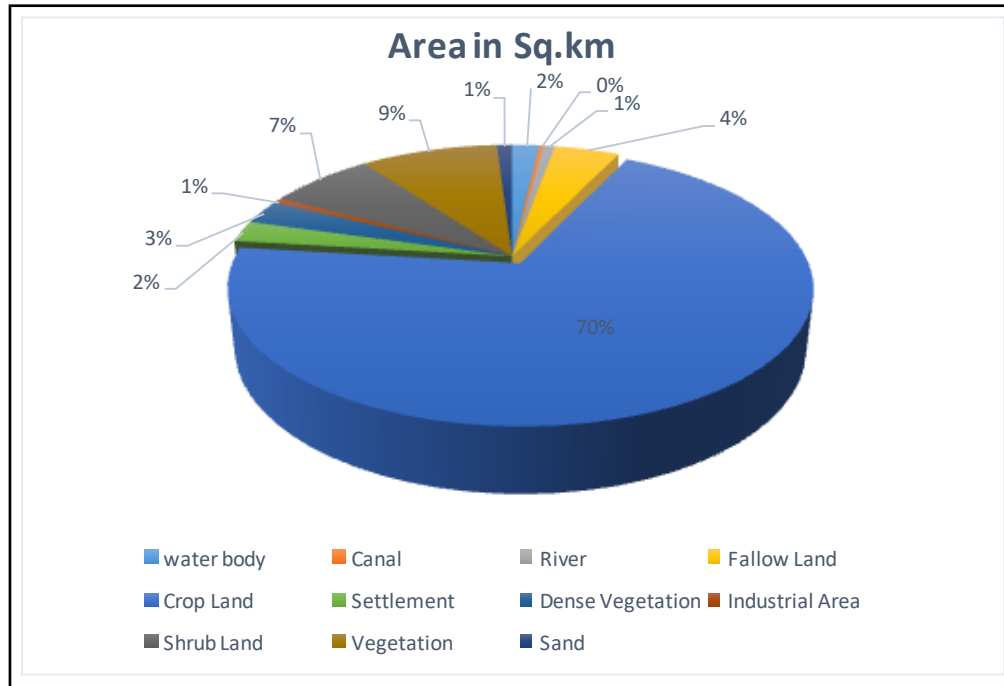
- CaCO₃ के रूप में व्यक्त की गई कुल कठोरता 156 से 210 मिलीग्राम/ली के बीच होती है।
- कैल्शियम और मैग्नीशियम क्रमशः 31 से 43 मिलीग्राम/लीटर और 19 से 25 मिलीग्राम/लीटर के बीच पाए गए। जिनक पता लगाने योग्य सीमा से नीचे पाया जाता है।

सभी स्टेशनों के लिए आईएस 2296:1982 क्लास सी के अनुसार सभी पैरामीटर वांछनीय सीमा के भीतर हैं। ई. कोलाई 6 स्थानों पर मौजूद है। इसका उपयोग पेयजल के लिए नहीं किया जाएगा।

3.5 मिट्टी की गुणवत्ता

- परियोजना स्थल में और उसके आसपास कुल 8 नमूने एकत्र किए गए और उनका विश्लेषण किया गया। यह देखा गया है कि मिट्टी की गुणवत्ता का पीएच 7.3 (एस 5, एस 7) से 7.8 (एस 1, और एस 4) तक था, यह दर्शाता है कि मिट्टी प्रकृति में थोड़ी क्षारीय है।

छत्तीसगढ़ में बिलासपुर जिले की बिल्हा तहसील के धौराभाठा गाँव का स्थल 2011 की जनगणना की जानकारी के अनुसार, धौराभाठा गाँव का स्थान कोड या ग्राम कोड 438990 है। यह उप-जिला मुख्यालय बिल्हा से 8 किमी दूर और जिला मुख्यालय बिलासपुर से 25 किमी दूर स्थित है। 2009 के आंकड़ों के अनुसार, धौराभाठा गाँव की ग्राम पंचायत धौराभाठा है। गाँव का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 635.27 हेक्टेयर है। धौराभाठा की कुल जनसंख्या 3,076 है। धौराभाठा गाँव में करीब 610 घर हैं। 2019 के आंकड़ों के अनुसार, धौराभाठा गाँव बिल्हा विधानसभा और बिलासपुर संसदीय क्षेत्रों के अंतर्गत आते हैं। बिल्हा धौराभाठा का निकटतम शहर है जो लगभग 8 किमी दूर है।



चित्र ई-3: एलयूएलसी वर्गीकरण (प्रस्तावित परियोजना क्षेत्र का 10 किमी का दायरा)

3.7 पारिस्थितिकी और जैव विविधता

प्रजातियों की सूची, मौजूदा आधारभूत पारिस्थितिक स्थितियों के आकलन और सुझावात्मक शमन उपायों के साथ प्रभावों की भविष्यवाणी के संदर्भ में, निम्नलिखित चरणों के अनुसार अध्ययन क्षेत्र का एक पारिस्थितिक सर्वेक्षण किया गया था। कोर जोन (माइनिंग लीज एरिया) और बफर जोन में विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों का अध्ययन किया गया अर्थात्, पेड़ों, झाड़ियों, घास सहित जड़ी-बूटियों की गणना की गई थी। स्तनधारियों, पक्षियों, सरीसृपों के उभयचर और तितलियों जैसे जीव सर्वेक्षण कर सूचीबद्ध किया गया। एविफौना विविधता के संदर्भ में, पक्षियों का अध्ययन प्रत्यक्ष साक्ष्य के माध्यम से, दृश्य दृष्टि के रूप में, और अप्रत्यक्ष साक्ष्य जैसे कॉल, घोंसले, बिल, ड्रॉपिंग, स्कैट्स, ट्रैक आदि के रूप में किया गया था। साइट पर सभी उपलब्ध प्रकार के आवासों का मूल्यांकन और चिह्नित किया गया था।

जीआईएस मानचित्र और भौतिक रूप से सर्वेक्षण किए गए प्रतिनिधि स्थलों के माध्यम से वनस्पति पैच पहचाने गए।

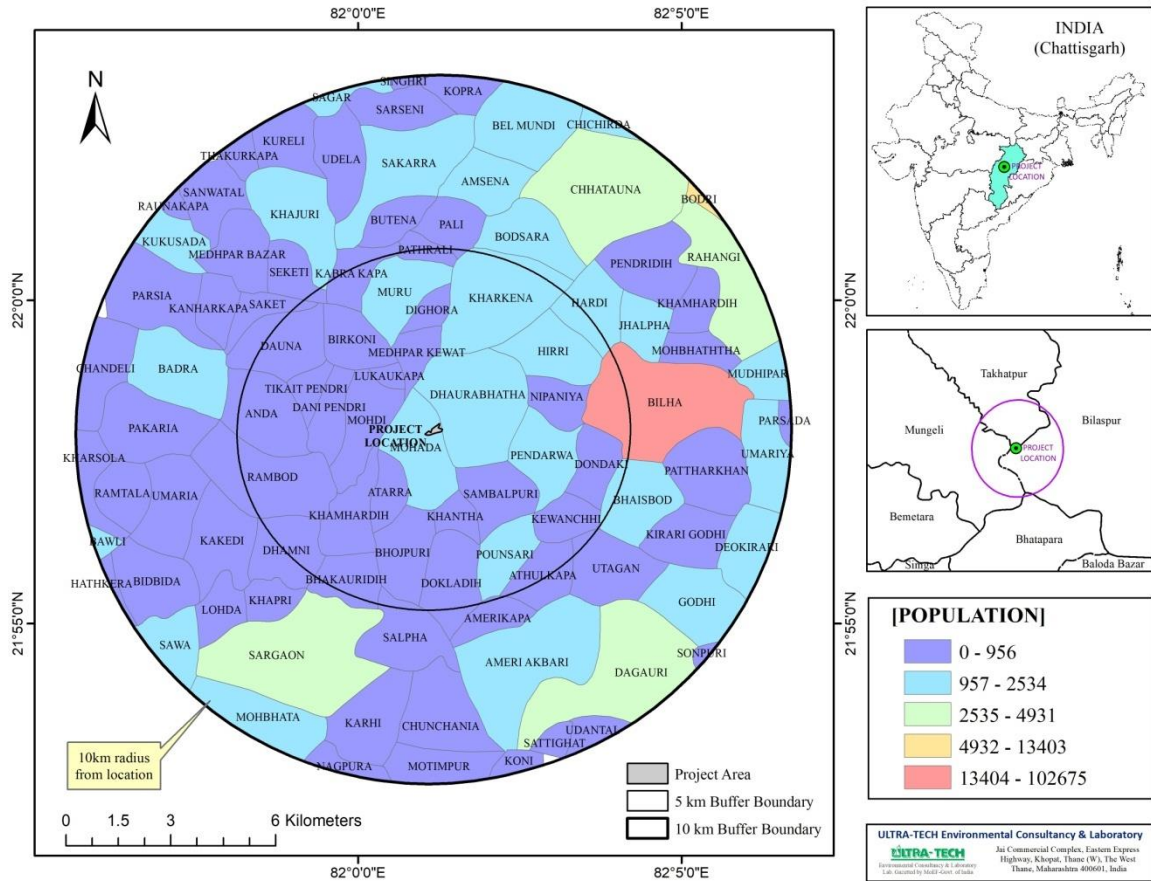
- इस क्षेत्र में उपलब्ध एविफौना सहित विभिन्न प्रकार के जानवरों को दर्ज किया गया है,

ग्राम धौराभाटा (ब्लॉक 1), तहसील- बिल्हा, जिला – बिलासपुर, राज्य- छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित धौराभाटा (ब्लॉक 1) डोलोमाइट खनन के लिए मसौदा ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश द्वारा शोभा अग्रवाल

- परियोजना स्थल से 10 किलोमीटर की सीमा के भीतर वनस्पतियों और जीवों से संबंधित माध्यमिक डेटा साहित्य, वन विभाग, और स्थानीय लोगों और गैर सरकारी संगठनों के साथ चर्चा से एकत्र किया गया है।
- बायोटा और शमन उपायों पर परियोजना गतिविधि के संभावित प्रभाव, यदि कोई हो, को चित्रित किया गया है।

3.8 सामाजिक अर्थशास्त्र

बिल्हा छत्तीसगढ़ राज्य में तहसील है, बिल्हा तहसील की जनसंख्या 2022 में 508,300 है। भारत की 2011 की जनगणना के अनुसार, इस तहसील में कुल बिल्हा जनसंख्या 397,109 लोग रहते हैं, जिनमें से 202,131 पुरुष और 194,978 महिलाएं हैं। 2021 में बिल्हा की जनसंख्या 492,415 साक्षर लोग 243,530 हैं जिनमें से 142,756 पुरुष हैं और 100,774 महिलाएं हैं। कुल श्रमिक 170,305 बहु कौशल पर निर्भर हैं, जिनमें से 104,490 पुरुष और 65,815 महिलाएं हैं। कुल 22,489 कृषक कृषि खेती पर निर्भर हैं, जिनमें से 15,890 पुरुषों द्वारा खेती की जाती है और 6,599 महिलाएं हैं। बिल्हा में 41,008 लोग कृषि भूमि में मजदूरी करते हैं, पुरुष 23,358 और 17,650 महिलाएं हैं



चित्र E-4: अध्ययन क्षेत्र का जनसंख्या सघनता मानचित्र अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति जनसंख्या

4.0 प्रत्याशित पर्यावरण प्रभाव और पर्यावरण प्रबंधन योजना

भूमि/मृदा पर्यावरण प्रभाव न्यूनीकरण

उपयुक्त, स्थल-विशिष्ट शमन उपायों को अपनाने से भूमि और मिट्टी पर खनन के प्रभाव की मात्रा को कम किया जा सकता है। भूमि और मिट्टी से संबंधित कुछ शमन उपाय इस प्रकार हैं:-

- खनन गतिविधि से पहले ऊपरी मिट्टी को काटकर पट्टा क्षेत्र में संग्रहित किया जाएगा, जिसका उपयोग वृक्षारोपण के लिए किया जाएगा।
- पट्टा क्षेत्र से उत्खनित डोलोमाइट पूरी तरह से बिक्री योग्य होगा जिसके परिणामस्वरूप पट्टा क्षेत्र के भीतर कोई डंप नहीं होगा।
- संकल्पनात्मक अवधि के अंत में उत्खनित खदान भूजल क्षमता में सुधार के अलावा सिंचाई और मछली पालन जैसे स्थानीय उपयोग के लिए पानी की आपूर्ति के लिए जलाशय में परिवर्तित हो जाएगी।

ग्राम धौराभाटा (ब्लॉक 1), तहसील- बिल्हा, जिला - बिलासपुर, राज्य- छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित धौराभाटा (ब्लॉक 1) डोलोमाइट खनन के लिए मसौदा ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश द्वारा शोभा अग्रवाल

- मैनुअल खनन संचालन के कारण डोलोमाइट पत्थर की खदानों से उत्सर्जन बहुत कम होता है। आसपास की मिट्टी की गुणवत्ता और क्षेत्र के फसल पैटर्न पर कम से कम प्रभाव पड़ेगा।
- प्रस्तावित परियोजना भूकंपीय क्षेत्र- II (निम्न जोखिम जोखिम क्षेत्र) के अंतर्गत आती है। चूंकि इस परियोजना में निर्माण के लिए भौतिक आधारभूत संरचना नहीं होगी, इसलिए इस परियोजना में भूकंपीयता का कोई प्रभाव परिकल्पित नहीं है। इसके अलावा, यह परियोजना क्षेत्र के भूकंपीय व्यवहार को परिवर्तित या नहीं बदलेगी।

वायु प्रभाव शमन

वायु प्रदूषण के नियंत्रण के लिए खदान में किए गए शमन उपाय हैं:

- सीपीसीबी द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर एनओएक्स और एसओएक्स के उत्सर्जन को बनाए रखने के लिए वायु प्रदूषकों के उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए परिवहन वाहनों और मशीनरी के भारतीय उत्सर्जन मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए वाहनों और मशीनरी की जाँच करना और नियमित रूप से रखरखाव करना।
- धूल को दबाने के उद्देश्य से 2 केएलडी पानी की आवश्यकता है जिसके लिए एक, 10,000 लीटर क्षमता के पानी के टैंकर किराए पर लिए जाएंगे और क्लस्टर के भीतर प्रत्येक पट्टे के हॉल रोड, डंपिंग साइट, लोडिंग और अनलोडिंग साइट पर दिन में दो बार पानी के छिड़काव के लिए उपयोग किया जाएगा और इसकी नियमित रूप से क्लस्टर प्रबंधन द्वारा निगरानी की जाएगी।
- डंपिंग क्षेत्रों में नियमित रूप से पानी का छिड़काव।
- सभी खान कामगारों को डस्ट मास्क प्रदान किए जाते हैं।
- पेड़ कुशल जैविक फिल्टर और बाधा के रूप में कार्य कर सकते हैं। चूंकि यह एक छोटा पट्टा है, इसलिए वृक्षारोपण के लिए उपलब्ध क्षेत्र बहुत कम है। तथापि, पट्टा सीमा के भीतर धूल प्रदूषण को रोकने के लिए खनन क्षेत्र के लिए एक सुनियोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम प्रस्तावित किया गया है। क्लस्टर सीमा के साथ-साथ क्लस्टर को जोड़ने वाली सड़क के दोनों ओर निरंतर वृक्षारोपण का प्रस्ताव है।
- परियोजना खनन पट्टा क्षेत्र में और उसके आसपास पानी के छिड़काव से धूल का दमन।
- वैध पीयूसी वाले वाहनों का उपयोग खनिजों के परिवहन के लिए किया जाएगा, जो निकास उत्सर्जन और शोर के स्तर को कम करने में मदद करेगा।
- देशी पौधों की प्रजातियों को मिलाकर एक हरित पट्टी विकास योजना तैयार की जाती है। परिधि पर ग्रीनबेल्ट शोर और धूल के स्तर को कम करेगा
- इस ईआईए रिपोर्ट के अध्याय 6 में विस्तृत निगरानी योजना के अनुसार वायु गुणवत्ता की नियमित निगरानी को संचालन चरण के दौरान अपनाया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वायु गुणवत्ता सीपीसीबी द्वारा निर्धारित वांछित सीमा के भीतर है।

शोर प्रभाव शमन

- रात्रि के समय कोई भी ध्वनि प्रदूषण कार्य नहीं किया जाएगा।

ग्राम धौराभाटा (ब्लॉक 1), तहसील- बिल्हा, जिला - बिलासपुर, राज्य- छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित धौराभाटा (ब्लॉक 1) डोलोमाइट खनन के लिए मसौदा ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश द्वारा शोभा अग्रवाल

- कामगारों के लिए पीपीई का प्रावधान।
- किसी भी अवांछित शोर या कंपन से बचने के लिए वाहनों और जनरेटर सेटों को नियमित रूप से सेवित और ठीक से बनाए रखा जाना चाहिए।
- हरित पट्टी और बगीचे के पेड़ शोर, यातायात संबंधी प्रदूषण और गर्मी द्वीप प्रभाव को कम करेंगे
- संचालन चरण के दौरान शोर को कम करने के लिए उपकरणों के उचित स्नेहन, मफ्लिंग और आधुनिकीकरण का उपयोग किया जाएगा
- इस ईआईए रिपोर्ट के अध्याय 6 में विस्तृत निगरानी योजना के अनुसार ध्वनि स्तरों की नियमित निगरानी को संचालन चरण के दौरान अपनाया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शोर का स्तर सीपीसीबी द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर है।

जल प्रभाव शमन

- घरेलू अपशिष्ट जल को सेप्टिक टैंक में उपचारित किया जाएगा और उसके बाद प्रस्तावित क्लस्टर परियोजना के बाहर एक सुरक्षित दूरी के साथ सोक पिट बनाया जाएगा और किसी भी अपशिष्ट जल को जलाशय में नहीं जाने दिया जाएगा।
- मजदूरों के लिए अस्थायी शौचालय का प्रावधान।
- सभी स्टैकिंग और लोडिंग क्षेत्रों में उचित माला नालियां उपलब्ध कराई जानी चाहिए।
- ठोस पदार्थों को धुलने से रोकने के लिए चेक डैम भी उपलब्ध कराए जाने चाहिए।
- ताजा खुदाई और डंप किए गए क्षेत्रों के चारों ओर माला नालियों का निर्माण ताकि ढीली सामग्री के साथ पानी के प्रवाह को रोका जा सके।
- खदान के पानी को विशेष रूप से बनाए गए कैच पिट से गुजारा जाना चाहिए ताकि पानी के साथ किसी भी तरह की ढीली सामग्री को रोका जा सके।
- लीजहोल्ड के भीतर ढीले मलबे वाले किसी भी क्षेत्र को लगाया जाना चाहिए।
- कचरा डंप के आसपास गारलैंड नालियों का निर्माण किया जाना चाहिए और सतही जल भंडार से जोड़ा जाना चाहिए ताकि बसने से पहले सीधे प्राकृतिक जल चैनलों में अपवाह मिश्रण से बचा जा सके।
- खनन गतिविधि के दौरान भूजल स्तर को नहीं काटा जाएगा।

पारिस्थितिकी और जैव विविधता प्रभाव शमन

फ्लोरा

- नदी तट क्षेत्रों में संपर्क सड़कों और आसपास के क्षेत्रों में वृक्षारोपण किया जाएगा।
- देशी पौधों की प्रजातियां जो तनाव और प्रदूषण सहिष्णु हैं, स्थानीय पारिस्थितिकी के

ग्राम धौराभाटा (ब्लॉक 1), तहसील— बिल्हा, जिला — बिलासपुर, राज्य— छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित धौराभाटा (ब्लॉक 1) डोलोमाइट खनन के लिए मसौदा ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश द्वारा शोभा अग्रवाल

साथ तुलनात्मक रूप से अच्छी तरह से अनुकूल हैं, उन्हें सड़कों के किनारे उगाया जाना चाहिए। पौधों की प्रजातियों के चयन के लिए, कृषि जलवायु उपयुक्तता, ऊंचाई और चंदवा वास्तुकला, विकास दर और आदत और सौंदर्य प्रभाव (पत्ते, विशिष्ट और आकर्षक फूल रंग) जैसे कुछ कारकों पर विचार करना आवश्यक है।

- वाहनों से होने वाले प्रदूषण के संपर्क में आने वाले सड़क किनारे पौधों की वार्षिक जैव निगरानी की जाएगी ताकि इसके प्रभावों को समझा जा सके।

पशुवर्ग

- सभी उपकरणों में उचित रखरखाव, ध्वनिक अस्तर या बाड़े जैसे ध्वनि-नियंत्रण उपकरण होने चाहिए। इस्तेमाल किए गए मोटर चालित उपकरणों को पर्याप्त रूप से मफल और बनाए रखा जाना चाहिए।
- कंप्रेसर के शोर को कम करने के लिए एग्जॉस्ट साइलेंसर और अनुकूलित ध्वनिक पाइप लैगिंग (ध्वनिक रैपिंग) का उपयोग करें।
- जलीय आवास में गड़बड़ी से बचने के लिए पट्टा क्षेत्र के सूखे हिस्से पर खनन किया जाएगा
- इस प्रकार वन्यजीवों को कोई नुकसान नहीं होगा।
- बड़े लकड़ी के मलबे को बिना हिलाए छोड़ दिया जाएगा या ले जाने पर बदल दिया जाएगा और जला नहीं जाएगा।
- आवास के भीतर भारी उपकरणों का संचालन और भंडारण प्रतिबंधित रहेगा।
- पहुंच मार्ग तटवर्ती क्षेत्रों में अतिक्रमण नहीं करेंगे।

सामाजिक-आर्थिक पर्यावरण प्रभाव न्यूनीकरण

- परियोजना प्रस्तावक को निर्माण चरण के दौरान पर्यावरण को स्वच्छ और स्वस्थ रखने के लिए उचित कदम उठाने चाहिए।
- श्रम शिविर स्थल में भी परियोजना स्थल पर भी पर्याप्त पेयजल, विश्राम कक्ष, प्राथमिक चिकित्सा उपकरण और शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराई जानी चाहिए।
- वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए खनन सामग्री के परिवहन के दौरान धूल को दबाने के लिए ट्रक और सड़क पर पानी छिड़का/फैलाया जाएगा और इस तरह स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव से बचा जा सकेगा।
- घसीटने (dragging) वाली सामग्री का परिवहन करते समय ट्रक, ट्रैक्टर को कवर किया जाना चाहिए।

ग्राम धौराभाटा (ब्लॉक 1), तहसील- बिल्हा, जिला - बिलासपुर, राज्य- छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित धौराभाटा (ब्लॉक 1) डोलोमाइट खनन के लिए मसौदा ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश द्वारा शोभा अग्रवाल

- उचित प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाना चाहिए ताकि श्रमिक व्यक्तिगत सुरक्षा और सुरक्षा उपकरण पहनने के महत्व और खनन के प्रदूषण पहलुओं को समझ सकें।

5.0 विकल्पों का विश्लेषण

प्रस्तावित धौराभाटा क्लस्टर डोलोमाइट खदान, जिसमें पट्टे की डोलोमाइट खदान शामिल है, छह पट्टेदारों के स्वामित्व में है और पट्टा अनुदान क्षेत्र के भीतर संचालित किया जाएगा।

इसलिए, किसी वैकल्पिक साइट का मूल्यांकन नहीं किया गया है। खनन तकनीक बिना तकनीक में किसी बदलाव के सिंगल शिफ्ट मैनुअल माइनिंग में अर्ध-मशीनीकृत ओपन कास्ट विधि है।

यह परियोजना संबंधित परियोजना प्रस्तावकों को कार्यालय भूविज्ञान एवं खनिकर्म कार्यालय छत्तीसगढ़ द्वारा स्वीकृत खनिजयुक्त क्षेत्र में स्वीकृत की जा रही है। यह परियोजना आवास से दूर और अधिकतम अनुत्पादक भूमि पर है इसलिए यह निर्माण गतिविधि के लिए सबसे उपयुक्त है। खनिज की वसूली के लिए उपयोग की जाने वाली प्रक्रिया पारंपरिक विधि है और श्रमसाध्य के रूप में, इसे सर्वोत्तम अभ्यास के रूप में सिद्ध स्थल के लिए अपनाया जाता है।

6.0 पर्यावरण निगरानी कार्यक्रम

पश्च अवधि में पर्यावरणीय स्वास्थ्य का आकलन करने के लिए स्थानों पर पर्यावरण निगरानी की जाएगी। अध्ययन के बाद निगरानी कार्यक्रम महत्वपूर्ण है क्योंकि यह निम्नलिखित पहलुओं पर उपयोगी जानकारी प्रदान करता है।

- यह इस अध्ययन में प्रस्तुत पर्यावरणीय प्रभावों पर भविष्यवाणियों को सत्यापित करने में मदद करता है।
- यह किसी भी खतरनाक पर्यावरणीय परिस्थितियों के विकास की चेतावनियों को इंगित करने में मदद करता है, और इस प्रकार, अग्रिम रूप से उचित नियंत्रण उपायों को अपनाने के अवसर प्रदान करता है।

निर्माण और संचालन चरण के दौरान विस्तृत ईएमपी योजना ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट के अध्याय 6 में दी गई है।

7.0 जोखिम आकलन

प्रस्तावित डोलोमाइट खनन परियोजना के प्रचालन चरण के दौरान जोखिम और इसके जोखिम का आकलन निम्न, मध्यम और उच्च है। परियोजना प्रस्तावकों को दोनों परियोजना स्थलों में होने वाले संभावित जोखिम के प्रभाव या परिणामों को रोकने के लिए सभी शमन उपायों को लागू करने का प्रस्ताव है। शमन उपायों को लागू करने के बाद प्रभाव का स्तर पहचाने गए सभी खतरों में निम्न/मध्यम होगा।

8.0 आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा प्रबंधन योजना

आपदा के प्रभाव को तैयारी, शमन और घटना के बाद पुनर्वास कार्य के प्रयासों के माध्यम से काफी कम किया जा सकता है। प्रस्तावित परियोजना में खतरे की पहचान के आधार पर एक आपातकालीन योजना तैयार की गई है और उसी योजना को परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी द्वारा जिला अधिकारियों के समन्वय से नुकसान को कम करने के लिए लागू किया जाएगा। जोखिम मूल्यांकन और आपदा प्रबंधन योजना का विवरण ईआईए रिपोर्ट के अध्याय 7 में दिया गया है।

9.0 पूंजी निवेश और परियोजना अनुसूची

प्रस्तावित डोलोमाइट खनन परियोजना पर 105.5 लाख रुपये की लागत आने का अनुमान है।

वैधानिक मंजूरी मिलने के बाद खदान का संचालन शुरू हो जाएगा।

10.0 परियोजना लाभ

खनन देश के बुनियादी ढांचे के विकास की रीढ़ है। प्रस्तावित परियोजना के निम्नलिखित लाभ हैं जो नीचे दिए गए हैं:

- स्थानीय लोगों के लिए रोजगार।
- उत्पाद शुल्क, जीएसटी, कर, लेवी आदि के रूप में राज्य सरकार के लिए राजस्व।
- लोगों के लिए व्यावसायिक अवसर उत्पन्न करें।
- आवश्यकता आधारित धन का उपयोग गांवों में लोगों के कल्याण के लिए किया जाएगा।
- ईएमपी फंड से पर्यावरण की गुणवत्ता में सुधार होगा।

ग्राम धौराभाटा (ब्लॉक 1), तहसील— बिल्हा, जिला — बिलासपुर, राज्य— छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित धौराभाटा (ब्लॉक 1) डोलोमाइट खनन के लिए मसौदा ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश द्वारा शोभा अग्रवाल

डोलोमाइट खनन के संचालन से गांवों में लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करने में मदद मिलेगी।

11.0 आवश्यकता आधारित गतिविधि

प्रस्तावित खनन परियोजना समाज के प्रति दायित्वों से अवगत है और सामाजिक दायित्वों को पूरा करने के लिए इकाई जहां तक संभव हो, प्रस्तावित परियोजना के लिए आस-पास के गांवों से अर्ध-कुशल और अकुशल श्रमिकों को रोजगार देगी। इकाई निर्माण चरण के साथ-साथ संचालन चरण के दौरान स्थानीय ठेकेदारों को नियुक्त करके आसपास के गांवों में अधिकतम अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा करने का भी प्रयास करेगी। परियोजना प्रस्तावक ईएमपी के एक भाग के रूप में सामाजिक विकास के हिस्से के रूप में यथोचित योगदान देंगे और आसपास के गांवों में विभिन्न गतिविधियों को अंजाम देंगे।

परियोजना की कुल अनुमानित लागत 105.5 लाख है। आसपास के गांवों के गरीब लोगों को पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए आवश्यकता आधारित गतिविधि के लिए 2.97 लाख रुपये आवंटित किए जाएंगे।

12.0 पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमपी)

विस्तृत पर्यावरण प्रबंधन योजना खनन गतिविधियों और गतिविधियों द्वारा भूमि/मिट्टी, वायु, शोर, पानी पर पड़ने वाले प्रभावों के आधार पर तैयार की गई है। ई.एम.पी. और पर्यावरण सुरक्षा उपायों की लागत का विवरण ईआईए रिपोर्ट के अध्याय 10 में दिया गया है।

पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों के लिए प्रस्तावित व्यय:

क्र	गतिविधि	उप गतिविधि	पूंजी लागत (रु.)	आवर्ती लागत (रु.)
1	हरी पट्टी वृक्षारोपण और रखरखाव	सेप्टी जोन के साथ हरित पट्टी विकसित की जाएगी	1,43,000	1,91,000
2	वायु प्रदूषण नियंत्रण	धूल दमन/धूल नियंत्रण के लिए ढुलाई मार्ग पर छिड़काव	-	90,000
3	रैंप और हॉल रोड का रखरखाव	खदान क्षेत्र में रैंप एवं हॉल रोड का अनुरक्षण	-	40,000
4	खान श्रमिकों के लिए सुविधाएं	बीमा कवर, स्वास्थ्य जांच, आश्रय, सुरक्षित पेयजल, स्वच्छता सुविधा, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण जैसे चश्मा, हेलमेट, सुरक्षा जूते, फेस मास्क और हाथ के दस्ताने	50,000	63,300
कुल योग			1,93,000	3,84,000

ग्राम धौराभाटा (ब्लॉक 1), तहसील- बिल्हा, जिला - बिलासपुर, राज्य- छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित धौराभाटा (ब्लॉक 1) डोलोमाइट खनन के लिए मसौदा ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश द्वारा शोभा अग्रवाल

13.0 निष्कर्ष

जैसा कि चर्चा की गई है, यह कहना सुरक्षित है कि प्रस्तावित पट्टा क्षेत्र से गौण खनिज के संग्रह से क्षेत्र की पारिस्थितिकी पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है क्योंकि खनिज है और उत्पन्न अपशिष्ट गैर विषैले है और आसपास के क्षेत्र के वातावरण को नुकसान नहीं पहुंचाता है।

खनन प्रचालन के दौरान उत्पन्न होने वाले भगोड़े (fugitive) उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त उपाय किए जाएंगे। सांविधिक सीमा में हरित पट्टी विकास, पहुंच मार्ग, सरकारी इमारतों, स्कूलों स्थानीय लोगों ने भी पर्यावरण की बेहतरी के लिए क्षेत्र में सामाजिक वानिकी के रूप में सरकार की मदद का प्रस्तावित किया।